

आदर्श अखबार

आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, AIMS धामनोद का
विद्यार्थियों के लिए एक निःशुल्क उत्कृष्ट प्रकाशन

01 फरवरी 2026 क्र. 19

सभी को आदर्श परिवार की ओर से गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनायें



गणतंत्र दिवस समारोह



77वे गणतंत्र दिवस का मुख्य समारोह एम्स महाविद्यालय एवं आदर्श एकेडमी द्वारा संयुक्त रूप से मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कर्नल पी. सी. पाठक उपस्थित हुए।

प्रारंभ में संस्थान के डायरेक्टर डॉ. आर. के. पाटीदार साहब ने उनका स्वागत किया। ध्वजारोहण के बाद अकादमी के बच्चों के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। अपने उद्बोधन में कर्नल पी. सी. पाठक

साहब ने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दी तथा गणतंत्र दिवस जैसे अनुशासन एवं उत्साह को प्रतिदिन अपने जीवन में उतारने का संदेश दिया। मुख्य अतिथि ने निमाड़ क्षेत्र में शिक्षा एवं सेवा के क्षेत्र में डॉ. आर. के. पाटीदार साहब द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की।

आदर्श अकादमी के प्राचार्य श्री परमार एवं एम्स महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर यशपाल व्यास ने संयुक्त रूप से उन्हें धन्यवाद प्रेषित किया।



वार्षिक उत्सव 2026 : रंगमंच (सपनों और रंगों का मंच)

आदर्श महाविद्यालय धामनोद में दिनांक 30/01/2026 एवं 31/01/2026 को दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारम्भ किया गया जिसमें संस्था के निदेशक महोदय डॉ. आर. के. पाटीदार सर एवं संस्था के प्राचार्य महोदय डॉ. यशपाल व्यास सर के द्वारा माँ सरस्वती का पूजन, माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का आरंभ हुआ। कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के निदेशक महोदय, एवं प्राचार्य महोदय के द्वारा विद्यार्थियों को सभी विधाओं में प्रतिभागी बनने के लिए प्रेरित किया गया साथ ही देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में सभी विषयों में अपनी रैंक लगाने पर एवं जीवन में लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम की अगली कड़ी में संस्था के प्रशासनिक अधिकारी सहायक प्राध्यापक अमित वर्मा सर के द्वारा संस्था में संचालित पाठ्यक्रम एवं संस्था की विशेषताओं पर प्रकाश डाला गया तत्पश्चात प्रतिभागियों के द्वारा नृत्य, गायन एवं सांस्कृतिक प्रसंग का प्रदर्शन किया गया।



यूथ पार्लियामेंट विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला - कला संकाय विभाग



आदर्श इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस कॉलेज
धामनोद के कला संकाय विभाग
द्वारा दिनांक - 16/01/2026 व
17/01/2026 को यूथ पार्लियामेंट
विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला
का आयोजन किया गया इस

वर्कशाप का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय लोकतांत्रिक संसदीय प्रणाली तथा विधायी प्रक्रिया की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजन के साथ हुआ इसके पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय डॉ यशपाल व्यास सर तथा अकादमीक प्रभारी काशीराम धनगर सर का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया।

पार्लियामेंट की शुरुआत राष्ट्रगान गाकर प्रारंभ की गई।

तत्पश्चात मॉक पार्लियामेंट का आयोजन किया गया जो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। विद्यार्थियों को दो दल में विभाजित कर प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के सदस्यों की भूमिका सौंपी गई। छात्रों ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि जैसे विषयों पर प्रश्न काल में चर्चा की गई।

सांसदों ने मंत्रियों से विभिन्न मुद्दे जैसे कि शिक्षित बेरोजगारी, महिला सुरक्षा, प्रदूषण एवं अंतरराष्ट्रीय टैरिफ पर मंत्रियों से शून्य काल में प्रश्न पूछे। साथ ही लघु अवधि चर्चा के दौरान जलवायु परिवर्तन एवं सोशल मीडिया जैसे विषयों पर भी चर्चा की।

" एक देश एक चुनाव" संसद की कार्यवाही का मुख्य मुद्दा था जिसमें प्रधानमंत्री, विपक्ष दल के नेता और संसदीय कार्य मंत्री द्वारा गंभीर एवं सार्थक चर्चा की गई। अंत में स्पीकर द्वारा " एक देश एक चुनाव" पर मतदान कराया गया और ध्वनि मत से यह बिल संसद में पास हुआ तथा स्पीकर द्वारा सदन की कार्यवाही समाप्त करने की घोषणा की गई।

महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय ने भाषण देते हुए कहा कि यूथ पार्लियामेंट जैसे कार्यक्रम लोकतांत्रिक मूल्यों की जानकारी देने, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में प्रेरित करते हैं। सर ने विद्यार्थियों से इस प्रकार की गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लेने का आवाहन किया साथ ही अकादमीक प्रभारी काशीराम धनगर सर के द्वारा वर्कशाप की प्रशंसा की गई।



सभी विद्यार्थियों ने संसदीय मर्यादा और अनुशासन का पालन करते हुए अपनी बात प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत की इस गतिविधि से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, तर्क शक्ति, आत्मविश्वास तथा सार्वजनिक भाषण कौशल का विकास हुआ। छात्रों ने यह समझा कि

लोकतंत्र केवल अधिकारों तक सीमित नहीं है बल्कि कर्तव्य और जिम्मेदारियों का बोध कराता है। वर्कशाप के दौरान पूछे गए प्रश्नों और संवाद



से यह स्पष्ट हुआ कि विद्यार्थियों में राजनीतिक एवं सामाजिक विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ी है। वर्कशाप के द्वितीय दिवस में विद्यार्थियों के द्वारा बनाए गए चार्ट एवं मॉडल की प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया जिसका अवलोकन तुषार कांत रावल सर, पंकज स्वर्णकार सर, प्रमोद बामनिया सर तथा शीतल राठौड़ मेम के द्वारा किया गया तत्पश्चात अकादमीक प्रभारी काशीराम धनगर सर एवं स.प्रा.अलकेश ठाकुर सर के द्वारा विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट तथा शील्ड प्रदान की गई साथ ही विद्यार्थियों के लिए स्वल्पाहार की भी व्यवस्था की गई जिससे समापन कार्य बहुत ही प्रभावशाली बन गया। कार्यक्रम का संचालन स.प्रा.प्रियंका तिवारी मेम के द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन कला संकाय विभाग अध्यक्ष दीपिका निकुम मेम द्वारा किया गया जिसमें मुख्य वक्ता आयोजन समिति विभिन्न संकाय से पधारे प्राध्यापक तथा सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया इस प्रकार कार्यक्रम सफल एवं सार्थक सिद्ध हुआ।



देश परिचय : पोलैंड

भौगोलिक स्थिति - पोलैंड यूरोप महाद्वीप के मध्य-पूर्वी भाग में स्थित है। इसके पड़ोसी देश हैं— जर्मनी, चेक गणराज्य, स्लोवाकिया, यूक्रेन, बेलारूस, लिथुआनिया और रूस (कालिनिनग्राद क्षेत्र)। उत्तर में बाल्टिक सागर है।

राजधानी - वारसॉ जनसंख्या

लगभग 3.8 करोड़ (38 मिलियन)

□ **भाषा** - पोलिश (Polish) — यही आधिकारिक भाषा है।

मुद्रा - पोलिश ज़्लॉटी (PLN)

(पोलैंड यूरोपीय संघ का सदस्य है, लेकिन यूरो का उपयोग नहीं करता)

शासन प्रणाली - लोकतांत्रिक गणराज्य (Republic)

संक्षिप्त इतिहास - पोलैंड का इतिहास बहुत समृद्ध और संघर्षपूर्ण रहा है।

मध्यकाल में यह एक शक्तिशाली राज्य था।

द्वितीय विश्व युद्ध में इसे भारी नुकसान हुआ।

1989 में साम्यवादी शासन के अंत के बाद यह एक लोकतांत्रिक देश बना।

अर्थव्यवस्था - पोलैंड यूरोप की तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है।

मुख्य क्षेत्र-

उद्योग और निर्माण : आईटी और टेक्नोलॉजी

कृषि : ऑटोमोबाइल और मशीनरी

संस्कृति :

पोलैंड की संस्कृति में : संगीत (प्रसिद्ध संगीतकार: फ्रेडरिक शोपेन)

लोक नृत्य : ऐतिहासिक किले और चर्च

पारंपरिक भोजन : पियरोगी और किएलबासा

प्राकृतिक विशेषताएँ : कार्पेथियन पर्वत, हरे-भरे मैदान,

सुंदर झीलें और जंगल।

विस्तुला (Vistula / Wisła) - पोलैंड की सबसे लंबी और सबसे महत्वपूर्ण नदी। यह दक्षिण से उत्तर की ओर बहकर बाल्टिक सागर में गिरती है।

ओडर - पश्चिमी पोलैंड में बहती है और जर्मनी की सीमा का बड़ा हिस्सा बनाती है।

वार्टा (Warta) - ओडर की सबसे बड़ी सहायक नदी।

बग (Bug) - पूर्वी सीमा के पास बहती है; यह भी एक महत्वपूर्ण सीमा नदी है।

नारेव (Narew) - विस्तुला की सहायक नदी।

Mother of All Deals

भारत-संयुक्त अरब अमीरात, नए युग की शुरुआत

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक भारत ने EU को जो ऑफर दिया है उसके मुताबिक 49.6% टैरिफ



लाइनों पर तत्काल शुल्क समाप्त कर दिया जाएगा; जबकि 39.5% टैरिफ लाइनों पर 5, 7 और 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से शुल्क समाप्त किया जाएगा। भारत के इतिहास का सबसे बड़ा ट्रेड डील फाइनल हो गया है! मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में ऐतिहासिक भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (India-EU Free Trade Agreement) की घोषणा



की भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ ये समझौता दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए आज की सबसे बड़ी खबर है। इसे भारत के वैश्विक व्यापार संबंधों में बड़ी रणनीतिक सफलता के तौर पर देखा जा रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक भारत और यूरोपीय संघ चौथी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के 25 प्रतिशत के बराबर हैं और वैश्विक व्यापार का एक तिहाई हिस्सा हैं। इस प्रकार, दो बड़ी, अर्थव्यवस्थाओं के एक साथ जुड़ने से व्यापार और निवेश के अभूतपूर्व अवसर पैदा होंगे।

संयुक्त अरब अमीरात, यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान 19 जनवरी को अपनी संक्षिप्त यात्रा पर भारत आए इस अल्प अवधि में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।



प्रधानमंत्री स्वयं यूएई के राष्ट्रपति की अगुवानी करने हवाई अड्डे पहुंचे और गले लगाकर उनका स्वागत किया। दोनों नेताओं ने भारत एवं यूएई के द्विपक्षीय संबंधों पर वार्ता की, इस दौरान भारत और यूएई के बीच रणनीतिक रक्षा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए गए। वर्ष 2032 तक दोनों देशों के बीच वार्षिक व्यापार व्यवसाय 200 अरब डॉलर के पार पहुंचाने का लक्ष्य है। प्रधानमंत्री मोदी ने संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति शेख



मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को उनकी भारत यात्रा के अवसर पर उपहार के स्वरूप गुजरात का हाथ से नक्काशी किया हुआ रॉयल बुडन का झूला भेंट स्वरूप दिया।

जनगणना - 2027 का प्रथम चरण



अप्रैल से शुरू होगा, यह 30 सितंबर तक चलेगा। भारतीय जनगणना का द्वितीय चरण फरवरी 2027 में शुरू होगा।

प्रथम चरण में देश के सभी घरों, परिवारों और संरचनाओं की एक सूची तैयार की

जाएगी कोरोना महामारी के कारण जनगणना का कार्य वर्ष 2021 में संपन्न नहीं किया जा सका था।

अंतरिक्ष के शुभांशु को सम्मान



राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को 'अशोक चक्र' से सम्मानित किया। ग्रुप कैप्टन शुभांशु

शुक्ला इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) पर कदम रखने वाले पहले भारतीय हैं। उन्हें सोमवार को गणतंत्र दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मू ने सर्वोच्च वीरता पुरस्कार अशोक चक्र से सम्मानित किया। कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान उन्हें यह पुरस्कार दिया गया।

शुभांशु शुक्ला पिछले साल जून में अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय और ऐतिहासिक एक्सओएम-4 मिशन के तहत ISS जाने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने 18 दिन तक अंतरिक्ष की यात्रा की थी। उनसे पहले 1984 में भारत के अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा स्पेस मिशन पर गए थे। इस यात्रा के 41 साल बाद भारत का कोई यात्री अंतरिक्ष गया था।

प्रदेश :- नर्मदा जयंती महोत्सव



महेश्वर में आस्था संग मना मां नर्मदा प्रकटोत्सव, 50 हजार श्रद्धालुओं ने किए मां रेवा के दर्शन:- महेश्वर में मां नर्मदा प्रकटोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ भव्य रूप से संपन्न हुआ। गणेश घाट पर पूजन, चुनरी अर्पण और दीप सज्जा आकर्षण का केंद्र रही। 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने मां रेवा के दिव्य दर्शन किए। धर्म, आस्था और आध्यात्मिक चेतना की पावन भूमि महेश्वर में मां रेवा आरती एवं मां नर्मदा भक्त मंडल के तत्वावधान में मां नर्मदा प्रकटोत्सव (जन्म जयंती) का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

प्रातःकाल मुख्य गणेश घाट पर पंडित कमल भट्टों के आचार्यत्व में मां नर्मदा का दुग्धाभिषेक, विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार एवं शंखनाद से संपूर्ण घाट क्षेत्र आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा। इस अवसर पर जयंतीलाल सरवैया ग्रुप (मुंबई एवं अहमदाबाद) द्वारा मां रेवा को भव्य चुनरी अर्पित की गई। वहीं नवयुवक रेवा मंडल द्वारा दक्षिण तट से उत्तर तट तक 1008 चुनरियों का अर्पण कर भक्तिमय एवं अनुपम दृश्य प्रस्तुत किया गया।

जीवन परिचय : नेताजी सुभाष चंद्र बोस



नेताजी सुभाष चंद्र बोस (23 जनवरी 1897 - 18 अगस्त 1945) भारत के एक महान स्वतंत्रता सेनानी और दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का नारा देकर आजादी के लिए संघर्ष किया। उन्होंने आजाद हिंद फौज का नेतृत्व किया और भारत को अंग्रेजों से मुक्त कराने के लिए जर्मनी व जापान की सहायता से अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध लड़ा।

जन्म: 23 जनवरी 1897 को ओडिशा के कटक शहर में हुआ था।

परिवार: उनके पिता जानकीनाथ बोस एक प्रसिद्ध वकील थे और माता का नाम प्रभावती देवी था।

शिक्षा: सुभाष चंद्र ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा कटक में प्राप्त की और बाद में कोलकाता के प्रेसिडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज में अध्ययन किया।

ICS परीक्षा: उन्होंने 1920 में भारतीय सिविल सेवा (ICS) परीक्षा उत्तीर्ण की, लेकिन देशभक्ति की भावना के कारण उन्होंने 1921 में इस्तीफा दे दिया।

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान: कांग्रेस में सक्रियता: वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हुए और महात्मा गांधी के साथ मिलकर काम किया, लेकिन बाद में

वैचारिक मतभेदों के कारण अलग हो गए।

फॉरवर्ड ब्लॉक: 1939 में उन्होंने फॉरवर्ड ब्लॉक नामक एक नई पार्टी बनाई ताकि स्वतंत्रता आंदोलन को और तेज किया जा सके। आजाद हिंद फौज (INA): द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, उन्होंने सिंगापुर में आजाद हिंद फौज की कमान संभाली और 'दिल्ली चलो' का नारा दिया।

मृत्यु: ऐसा माना जाता है कि 18 अगस्त 1945 को एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी, लेकिन

उनकी मृत्यु की सच्चाई आज भी एक रहस्य बनी हुई है। नेताजी का जीवन त्याग, साहस और राष्ट्रप्रेम का एक आदर्श उदाहरण है। उन्हें भारत में बहुत सम्मान से याद किया जाता है और उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

प्रमुख नारे और विचार:

"तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा"

"जय हिंद"

"दिल्ली चलो"



काव्य रचना - युद्ध नहीं जिनके जीवन में

युद्ध नहीं जिनके जीवन में वे भी बहुत अभागे होंगे

या तो प्रण को तोड़ा होगा

या फिर रण से भागे होंगे

दीपक का कुछ अर्थ नहीं है

जब तक तम से नहीं लड़ेगा

दिनकर नहीं प्रभा बाँटेगा

जब तक स्वयं नहीं धधकेगा

कभी दहकती ज्वाला के बिन

कुंदन भला बना है सोना

बिना घिसे मेहंदी ने बोलो

कब पाया है रंग सलीना

जीवन के पथ के राही को

क्षण भर भी विश्राम नहीं है

कौन भला स्वीकार करेगा

जीवन एक संग्राम नहीं है।।

अपना अपना युद्ध सभी को

हर युग में लड़ना पड़ता है

और समय के शिलालेख पर

खुद को खुद गढ़ना पड़ता है

सच की खातिर हरिशंकर को

सकुटुम्ब विक जाना पड़ता

और स्वयं काशी में जाकर

अपना मोल लगाना पड़ता

दासी बनकरके भरती है

पानी पटरानी पनघट में

और खड़ा सम्राट वचन के

कारण काशी के मरघट में

ये अनवरत लड़ा जाता है

होता युद्ध विराम नहीं है

कौन भला स्वीकार करेगा
जीवन एक संग्राम नहीं है।।

हर रिश्ते की कुछ कीमत है
जिसका मोल चुकाना पड़ता
और प्राण पण से जीवन का
हर अनुबंध निभाना पड़ता
सच ने मार्ग त्याग का देखा
झूठ रहा सुख का अभिलाषी
दशरथ मिटे वचन की खातिर
राम जिये होकर वनवासी

पावक पथ से गुजरीं सीता
रही समय की ऐसी इच्छा
देनी पड़ी नियति के कारण
सीता को भी अग्नि परीक्षा
वन को गई पुनः वैदेही
निरपराध ही सुनो अकारण
जीतीं रहीं उग्रभर बनकर
त्याग और संघर्ष उदाहरण

लिए गर्भ में निज पुत्रों को
वन का कष्ट स्वयं ही झेला
खुद के बल पर लड़ा सिया ने
जीवन का संग्राम अकेला
धनुष तोड़ कर जो लाए थे
अब वो संग में राम नहीं है
कौन भला स्वीकार करेगा
जीवन एक संग्राम नहीं है।।

साभार - कवि, अर्जुन सिसोदिया

हमारे पर्व - बसंत पंचमी



बसंत पंचमी पर मां सरस्वती के प्रादुर्भाव से सृष्टि में ज्ञान, संगीत और कला का संचार हुआ था। यह पावन पर्व अज्ञानता के नाश और बुद्धि के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है।

महत्व : शास्त्रों में

वर्णित है कि मां सरस्वती ब्रह्मा जी की शक्ति और वाणी का रूप हैं। उन्होंने सृष्टि में ज्ञान का संचार करने के लिए स्वयं प्रकट होकर मानवता को शिक्षा और विद्या प्रदान की थी। वसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती का प्रादुर्भाव इसलिए हुआ ताकि संसार में अज्ञानता का नाश हो और ज्ञान की ज्योति फैल सके। प्राचीन कथाओं के अनुसार, उन्होंने अपने प्रादुर्भाव से वेद,

संगीत, कला और विज्ञान की नींव रखी। इस दिन के पावन अवसर पर मंदिरों और घरों में देवी के स्वरूप की पूजा अर्चना की जाती है।

मां सरस्वती के प्रादुर्भाव की कथा -

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार, ब्रह्मा जी ने सृष्टि की रचना में ज्ञान की आवश्यकता महसूस की। इसी आवश्यकता के चलते उन्होंने अपनी कल्पनाशक्ति से सरस्वती देवी की रचना की। ब्रह्मा जी ने देवी सरस्वती को वेद, शिक्षा और मानवता को ज्ञान देने की शक्ति प्रदान की। कथा में वर्णित है कि उनके प्रादुर्भाव से संसार में संगीत, कला और विज्ञान का उदय हुआ। इसलिए वसंत पंचमी पर मां सरस्वती की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। इस पावन अवसर पर श्रद्धालु पीले वस्त्र धारण कर देवी को पुष्प, अक्षत और विशेष भोजन अर्पित करते हैं, जिससे विद्या और बुद्धि में वृद्धि होती है।

बसंत पंचमी या श्री पंचमी एक हिन्दू त्यौहार है। इस दिन विद्या की देवी सरस्वती, कामदेव और विष्णु की पूजा की जाती है। यह पूजा विशेष रूप से भारत, बांग्लादेश, नेपाल और अन्य कई देशों में बड़े उल्लास से मनायी जाती है। इस दिन पीले वस्त्र धारण करते हैं।

राज्य परिचय : कर्नाटक

कर्नाटक भारत के दक्षिण-पश्चिम भाग में स्थित एक प्रमुख राज्य है। इसकी राजधानी बेंगलुरु है, जिसे भारत की आईटी राजधानी भी कहा जाता है। कर्नाटक अपनी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर, प्राकृतिक सौंदर्य और तकनीकी प्रगति के लिए प्रसिद्ध है।

भौगोलिक स्थिति- कर्नाटक के पश्चिम में अरब सागर, उत्तर में महाराष्ट्र, उत्तर-पूर्व में तेलंगाना, पूर्व में आंध्र प्रदेश, दक्षिण-पूर्व में तमिलनाडु और दक्षिण-पश्चिम में केरल स्थित हैं।

राजधानी - बेंगलुरु

भाषा - राज्य की आधिकारिक भाषा कन्नड़ है। इसके अलावा हिंदी, अंग्रेज़ी, तेलुगु, तमिल, उर्दू आदि भाषाएँ भी बोली जाती हैं।

अर्थव्यवस्था - कर्नाटक आईटी, बायोटेक्नोलॉजी, एयरोस्पेस, कृषि और उद्योग के क्षेत्र में अग्रणी है। बेंगलुरु को “भारत की सिलिकॉन वैली” कहा जाता है।

प्रमुख नदियाँ - कावेरी नदी – कर्नाटक की सबसे महत्वपूर्ण नदी, कृषि का प्रमुख स्रोत

कृष्णा नदी – उत्तर कर्नाटक की प्रमुख नदी

तुंगभद्रा नदी – कृष्णा की सहायक नदी

भीमा नदी – कृष्णा की सहायक नदी

घटप्रभा नदी – कृष्णा की सहायक नदी

मालप्रभा नदी – कृष्णा की सहायक नदी

शरावती नदी – जोग जलप्रपात इसी पर स्थित है

नेत्रावती नदी – पश्चिमी घाट से निकलकर अरब सागर में मिलती है

काली (काली नदी) – कर्नाटक और गोवा की सीमा बनाती है

अघनाशिनी नदी – पश्चिम की ओर बहने वाली नदी

पर्यटन स्थल - हम्पी, मैसूर महल, कूर्ग, बदामी, ऐहोले, जोग फॉल्स और समुद्री तट कर्नाटक के प्रमुख पर्यटन स्थल हैं।

इतिहास व संस्कृति: कर्नाटक का इतिहास अत्यंत समृद्ध रहा है। यहाँ चालुक्य, होयसळ, विजयनगर और मैसूर जैसे शक्तिशाली साम्राज्य रहे हैं। मैसूर का दशरथ, यक्षगान, कर्नाटक संगीत और लोकनृत्य यहाँ की सांस्कृतिक पहचान हैं।

कृषि व प्राकृतिक संसाधन:- यहाँ कॉफी, रेशम, चावल, रागी और मसालों का उत्पादन प्रमुख है। पश्चिमी घाट की जैव विविधता कर्नाटक को विशेष बनाती है।

कैसे करें पढ़ाई? 5 आसान ट्रिक्स

Retrieval Practice – पढ़ाई के बाद किताब बंद करके खुद से पूछो कि क्या याद रहा। दोबारा पढ़ने से सिर्फ परिचित लगने लगता है, लेकिन recall करने से याददाश्त पक्की होती है।

Spaced Repetition – एक ही दिन में सब मत रट लो। थोड़ा-थोड़ा करके अलग-अलग दिनों में दोहराओ। यही तरीका लंबी अवधि की याददाश्त बनाता है।

Interleaving – केवल एक ही विषय पर टिके मत रहो। subjects को mix करो ताकि दिमाग समझे कि किस concept को कहाँ इस्तेमाल करना है।

Elaboration – नई चीज़ों को पहले से सीखी हुई जानकारी से जोड़ो। “यह क्यों काम करता है?” या “इसे मैं कहाँ उपयोग करूँगा?” – ऐसे सवाल memory मजबूत करते हैं।

Feedback – गलतियों से घबराओ मत। हर गलती सीखने का नया मौका देती है, बशर्ते आप उसे सुधारो।

Government Announces 131 Padma Awards For Year 2026

- 5 Padma Vibhushan
- 13 Padma Bhushan
- 113 Padma Shri

Padma Vibhushan (5)



Dharmendra
(Art)
Maharashtra
(Posthumous)



KT Thomas
(Public Affairs)
Former Judge
Kerala



N Rajam
(Art)
Violinist
Uttar Pradesh



V.S. Achuthanandan
(Public Affairs)
Former CM, Kerala
(Posthumous)



P Narayanan
(Literature and Education)
Kerala

Padma Bhushan (13)



Shibu Soren (Public Affairs)
Founder JMM, Jharkhand
(Posthumous)



Piyush Pandey (Art)
Maharashtra
(Posthumous)



V K Malhotra (Public Affairs)
Delhi
(Posthumous)



Uday Kotak
(Trade and Industry)
Maharashtra



Mammootty (Art)
Kerala



Vijay Amritraj (Sports)
USA



Alka Yagnik (Art)
Maharashtra



Bhagat Singh Koshiyari (Public Affairs)
Uttarakhand



Kallipatti Ramasamy
Palaniswamy (Medicine)
Tamil Nadu



Nori Dattatreya
(Medicine)
USA



S K M Maellanandhan
(Social Work)
Tamil Nadu



Shatavadhani
R Ganesh (Art)
Karnataka



Vellappally Natesan
(Public Affairs)
Kerala

WWW.D71ACADEMY.COM

Important Padma Shri



Rohit Sharma
(Sports)
Maharashtra



Savita Punia
(Sports)
Haryana



Harmanpreet Kaur
(Sports)
Punjab



Shashi Shekhar Vempati
(Literature and Education)
Karnataka



Yumnam Jatra Singh
(Art), Manipur
(Posthumous)



Tuchi Gubin
(Social Work)
Arunachal Pradesh



Taga Ram Bheel
(Art)
Rajasthan



Simanchal Patro
(Art)
Odisha



Shyam Sundar
(Medicine)
Uttar Pradesh



Shafi Shauq
(Literature and Education)
J&K



Saroj Mandal
(Medicine)
West Bengal



Palkonda Vijay Anand
Reddy (Medicine)
Telangana



Othuvaa Thiruthani
Swaminathan
(Art)
Tamil Nadu

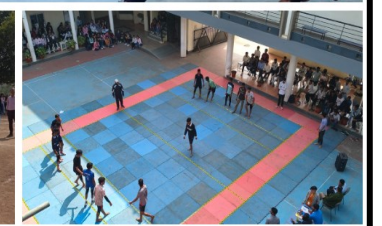
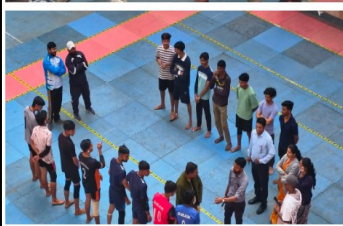


Nuruddin Ahmed
(Art)
Assam



Kollakal Devaki Amma G
(Social Work)
Kerala

WWW.D71ACADEMY.COM







महाविद्यालय में PRE-UNIVERSITY परीक्षा Time Table



Adarsh Institute Of Management & Science ,Dhamnod

PUT Examination : Feb 2026 Time Table (II Year)



Date	Day	Class	Time: 10:00AM -01:00 PM	Paper
09.02.2026	Monday	B.A.	Sociology - I /Political Science - I	Major - I
		B.Com	Corporate Account	
		B.Sc.- CS	Maths - I /Physics - I/Computer Science -I	
		B.Sc.- BT & BTCS	Biotechnology-I/Chemistry - I	
		B.Sc.- Bio Plain	Zoology - I /Chemistry - I/Botany-I	
10.02.2026	Tuesday	B.A.	Political Science - II	Major II /Minor
		B.Com	Cost Account	Major - II
		B.Sc.- CS	Computer Science - II	Major II /Minor /OE
		B.Sc.- BT & BTCS	Biotechnology-II	Major - II/Minor
		B.Sc.- Bio Plain	Zoology - II	Major II /Minor/OE
11.02.2026	Wednesday	B.A.	Sociology -II	Major II /minor
		B.Com	Business Statistics	Minor
		B.Sc.- CS	Maths - II	Major II /Minor /OE
		B.Sc.- BT & BTCS	Chemistry - II	Major II /Minor
12.02.2026	Thursday	B.A.	Web Designing	Open Elective
		B.Com		
		B.Sc.- CS	Physics - II	Major II /Minor /OE
		B.Sc.- BT & BTCS	Life Science /Web Designing	Open Elective
		B.Sc.- Bio Plain	Botany - II	Major-II/OE
13.02.2026	Friday	B.A.	E-commerce	Vocational
		B.Com	E-Accounting (E- Filling)	
		B.Sc.- CS	PHP	
		B.Sc.- BT & BTCS	Medical Diagnosis/E-commerce	
		B.Sc.- Bio Plain	Nutrition & Dietetics/Medical Diagnosis	
14.02.2026	Saturday	B.A.	Hindi / English	Foundation
		B.Com		
		B.Sc.- CS		
		B.Sc.- BT & BTCS		
16.02.2026	Monday	B.A.	Women Empowerment /Enterpreneurship development	Foundation
		B.Com		
		B.Sc.- CS		
		B.Sc.- BT & BTCS		



Adarsh Institute Of Management & Science ,Dhamnod

PUT Examination : Feb 2026 Time Table (III Year)



Date	Day	Class	Time: 10:00AM -01:00 PM	Paper
09.02.2026	Monday	B.A.	Sociology - I /Political Science - I	Major-I
		B.Com	Management Accounting	
		B.Sc.- CS	Maths (Numerical method & Scien, Com.)	
			Computer Science -I(Operating Sys.)	
			Physics - Quntam atomic and molecular physics	
		B.Sc.- BT	Biotechnology-I	
10.02.2026	Tuesday	B.Sc.- Bio Plain	Zoology - I /Chemistry - I	Major-II
		B.Sc. (Seed Tech.)	Seed Tech.-I	
		B.A.	Sociology -II/ Political Science - II	
		B.Com	Marketing Management	
		B.Sc.- CS	Maths (Element of Discrete maths.)	
			Physics - Solid state physics and Electronics	
11.02.2026	Wednesday		Computer Science -II (Programming with Paython)	Major-II
		B.Sc.- BT	Biotechnology-II	
		B.Sc.- Bio Plain	Zoology - II/ Chemistry -II	
		B.Sc. (Seed Tech.)	Seed Tech. -II	
		B.A.	Sociology /Political	
		B.Com	Human Resource Management	
12.02.2026	Thursday	B.Sc.- CS	Physics -(Quntam mechnics, solid state physics & devices)	Minor/OE
		B.Sc.- BT	Chemistry	Minor
		B.Sc.- Bio Plain	Chemistry/Zoology	Minor/OE
		B.Sc. (Seed Tech.)	Chemistry	Minor
		B.A.	Networking a Pratical Approach	Open Elective
		B.Com		
13.02.2026	Friday	B.Sc.- CS	Computer Science - Data Analysis and Visualization with Paython	Minor/OE
		B.Sc.- BT	Life Science	Open Elective
		B.Sc.- Bio Plain	Botany	Minor/OE
		B.Sc. (Seed Tech.)	Zoology	Open Elective
		B.A.	PP	
		B.Com	Personal Tax planning	Vocational
14.02.2026	Saturday	B.Sc.- CS	Web Designing techniques	Vocational
		B.Sc.- BT / Seed tech.	Medical Diagnostic/Organic farming	
		B.Sc.- Bio Plain	Nutrition & Dietetics/Medical Diagnostic	
		B.A.		
		B.Com	Hindi / English	
		B.Sc.- BT / Seed tech Bio Plain, /C.S.		
16.02.2026	Monday	B.A.	Cyber Security /Personality Development	Foundation
		B.Com		
		B.Sc.- BT / Seed tech Bio Plain, /C.S.		
17.02.2026	Tuesday	B.Sc.- CS	Maths - Fundamental Of Boolean Algebra	Minor / OE



Adarsh Institute Of Management & Science ,Dhamnod

PUT Examination : Feb 2026 Time Table (I Year)

Date	Day	Class	Time: 10:00AM -01:00 PM	Paper Category
09.02.2026	Monday	B.A.	English	
		B.Com		
		B.Sc.- CS		
		B.Sc.- BT & BTCS		
		B.Sc.- Bio Plain		
10.02.2026	Tuesday	B.A.	Hindi	Foundation
		B.Com		
		B.Sc.- CS		
		B.Sc.- BT & BTCS		
11.02.2026	Wednesday	B.A.	Understanding of India	
		B.Com		
		B.Sc.- CS		
		B.Sc.- BT & BTCS		
12.02.2026	Thursday	B.A.	Sociology - I /Political Science - I	Major-I
		B.Com	Cost Accounting	
		B.Sc.- CS	Maths - I/Computer Science -I	
		B.Sc.- BT & BTCS	Biotechnology-I	
		B.Sc.- Bio Plain	Zoology - I	
13.02.2026	Friday	B.A.	Sociology - II /Political Science - II	Major - II
		B.Com	Financial accounting	
		B.Sc.- CS	Maths - II/Computer Science -II	
		B.Sc.- BT & BTCS	Biotechnology-II	
14.02.2026	Saturday	B.Sc.- Bio Plain	Zoology - II	Major - III
		B.A.	Sociology - III /Political Science - III	
		B.Com	Business Regul. & Frame work	
		B.Sc.- CS	Maths - III/Computer Science -III	
16.02.2026	Monday	B.A.	Sociology - I /Political Science - I	Minor-I
		B.Com	BOC	
		B.Sc.- CS	Maths - I/Computer Science -I	
		B.Sc.- BT & BTCS	Life Science-I/Chemistry-I	

17.02.2026	Tuesday	B.A.	Sociology - II /Political Science - II	Minor-II
		B.Com	Business math's	
		B.Sc- CS	Maths - II/Computer Science -II	
		B.Sc- BT & BTCS	Life Science-II/Chemistry-II	
		B.Sc. - Bio Plain	Chemistry-II	
18.02.2026	Wednesday	B.A.	E-Commerce & Digital Marketing	MDC
		B.Com		
		B.Sc- CS	Physics	
		B.Sc- BT & BTCS	Zoology/E-Commerce & Digital Marketing	
		B.Sc. - Bio Plain	Botany	
19.02.2026	Thursday	B.A.	Digital Marketing	Vocational
		B.Com	E-Accounting and Taxation with GST	
		B.Sc- CS	Web Designing	
		B.Sc- BT & BTCS	Medical Diagnostics	
		B.Sc. - Bio Plain	Nutrition and dietetics	

आवेदन के लिए कृपया स्कैन करें

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई

फोन: 022-22820427; ई-मेल: crpd@sbi.co.in

मंडल आधारित अधिकारियों की भर्ती (2025-26)

भारतीय स्टेट बैंक में नियमित आधार पर मंडल आधारित अधिकारियों के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

रक्तियों की संख्या : 2273 (बैकलॉग रक्ति सहित)

पात्रता मानदंड (आयु, शैक्षणिक योग्यता, आदि), आवश्यक शुल्क, ऑनलाइन आवेदन करने एवं ऑनलाइन शुल्क भुगतान के लिए बैंक की वेबसाइट <https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings> पर विज्ञापन क्र. CRPD/CBO/2025-26/18 के अंतर्गत लिंक उपलब्ध है। अभ्यर्थियों को परामर्श दिया जाता है कि वे विस्तृत विज्ञापन देखें और आवेदन करने एवं शुल्क भुगतान करने से पहले अपने पात्रता मानदंडों और अन्य विवरणों को सुनिश्चित कर लें।

ऑनलाइन आवेदन दाखिल करने और शुल्क भुगतान की तिथि: 29.01.2026 से 18.02.2026 तक

अन्य पूछताछ के लिए कृपया "CONTACT US" → "Post Your Query" लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो बैंक की वेबसाइट <https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings> पर उपलब्ध है।

स्थान: मुंबई

दिनांक: 30.01.2026

महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

दशावतार - छठा अवतार - परशुराम अवतार

भगवान विष्णु का छठा अवतार परशुराम अवतार हैं, वे एक पराक्रमी योद्धा थे। इसका वर्णन भागवत पुराण, विष्णु पुराण, महाभारत, हरिवंश पुराण और रामायण आदि ग्रंथों में विस्तार से मिलता है।

कथा - यह कहानी त्रेता युग की है। इनका जन्म वैशाख मास की शुक्ल तृतीया को हुआ था। वे सप्तर्षियों में से एक, महर्षि जमदग्नि और उनकी पत्नी रेणुका के चौथे पुत्र थे। उनका मूल नाम राम था। वे बहुत तेजस्वी और बलवान थे। उन्होंने अपनी कठोर तपस्या से भगवान शिव को प्रसन्न किया। शिवजी ने उन्हें एक दिव्य परशु

(कुल्हाड़ी) प्रदान किया, जिसके कारण वे परशुराम कहलाए। हैहय वंश के राजा कार्तवीर्य अर्जुन थे। उनकी एक हजार भुजाएँ थीं और वे बहुत शक्तिशाली थे, लेकिन वे अहंकारी और क्रूर थे। उन्होंने अपनी शक्ति का दुरुपयोग करना शुरू कर दिया था और ऋषि-मुनियों को सताते थे।

एक बार, कार्तवीर्य अर्जुन अपनी सेना के साथ शिकार पर निकले। वे भटकते हुए महर्षि जमदग्नि के आश्रम में पहुँचे। ऋषि ने अपनी दिव्य कामधेनु गाय की मदद से पूरी सेना का भव्य सत्कार किया। कार्तवीर्य अर्जुन को जब कामधेनु के चमत्कारी गुणों का पता चला, तो उनके मन में लालच आ गया। उन्होंने ऋषि से वह गाय माँगी। ऋषि के मना करने पर, कार्तवीर्य अर्जुन ने बलपूर्वक उस गाय को छीन लिया।



जब परशुराम को इस घटना का पता चला, तो वे अत्यंत क्रोधित हुए। उन्होंने अपने परशु को उठाया और कार्तवीर्य अर्जुन की राजधानी महिष्मती की ओर चल पड़े। दोनों के बीच भयंकर युद्ध हुआ। परशुराम ने अपनी कुल्हाड़ी से कार्तवीर्य अर्जुन की एक-एक भुजा काट दी और अंत में उसका वध कर दिया।

कार्तवीर्य अर्जुन के वध के बाद, उसके पुत्रों ने प्रतिशोध लेने का निश्चय किया। जब परशुराम आश्रम में नहीं थे, तब वे आश्रम में आए और धोखे से परशुराम के पिता, महर्षि जमदग्नि का वध कर दिया। उन्होंने ऋषि का सिर धड़ से अलग कर दिया।

पिता की हत्या से परशुराम का क्रोध चरम पर पहुँच गया। उन्होंने प्रतिज्ञा ली कि वे इस पृथ्वी को अधर्मी क्षत्रियों से 21 बार विहीन कर देंगे। अपने इस कार्य को पूरा करने के बाद, उन्होंने एक विशाल यज्ञ किया और पृथ्वी महर्षि कश्यप को दान कर दी। इसके पश्चात, उन्होंने महेंद्र



पर्वत पर जाकर तपस्या शुरू कर दी। परशुराम को चिरंजीवी (अमर) माना जाता है। वे उन सात अमर लोगों में से एक हैं, जो आज भी पृथ्वी पर जीवित हैं। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, वे आज भी महेंद्र पर्वत पर तपस्या कर रहे हैं। भविष्य पुराण के अनुसार, वे कलियुग के अंत में कल्कि अवतार के गुरु बनेंगे और अधर्मियों के संहार में उनकी मदद करेंगे।

साभार - स. प्रा. पूजा कुशवाह, रसायन शास्त्र विभाग

राष्ट्रीय पर्व



77वें गणतंत्र दिवस की परेड संपन्न हो गई है। परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर भारतीय सेना की दहाड़ सुनने को मिली। सेना के जवानों के कदमताल के बीच गणतंत्र दिवस परेड में टी-90 टैंक की झलक भी दिखाई दी, जिसे भारतीय सेना ने 'भीष्म' नाम दिया है। ये रूस में बना थर्ड जेनरेशन का टैंक है। यह टैंक 2001 से भारतीय सेना का हिस्सा है और इसे राजस्थान, पंजाब में पाकिस्तान सीमा और लेह में चीन सीमा पर तैनात किया गया है। दिल्ली में कर्तव्य पथ पर यूरोपीय संघ (EU) का दल भी गणतंत्र दिवस की परेड में शामिल हुआ। यूरोपीय संघ (EU) के सैन्य दल का नेतृत्व कर्नल फ्रेडरिक साइमन स्पुइट कर रहे हैं, जो यूरोपीय संघ मिलिट्री स्टाफ (EUMS) के डायरेक्टर जनरल की ओर से एक सैरमोनियल जिप्सी में सवार हुए और भारत की राष्ट्रपति को कर्तव्य पथ पर सलामी दी।

गणतंत्र दिवस की परेड शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नेशनल वॉर मेमोरियल पहुंचे, यहां उन्होंने शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी यहां मौजूद हैं। देशभर में आज 77वां गणतंत्र दिवस पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। इस साल गणतंत्र दिवस का मुख्य थीम “वंदे मातरम के 150 वर्ष” है। कर्तव्य पथ पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गणतंत्र दिवस समारोह की अगुवाई कर रही हैं। परेड लगभग 90 मिनट तक चलेगी। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंतेनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन राष्ट्रीय राजधानी में होने वाले इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हैं। परेड का नेतृत्व परेड कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल भावनिश कुमार, जनरल ऑफिसर कमांडिंग, दिल्ली एरिया कर रहे हैं, जो दूसरे पीढ़ी के अधिकारी हैं। परेड में पहली बार भारतीय सेना का चरणबद्ध 'बैटल ऐरे फॉर्मेट' प्रदर्शित किया जा रहा है, जिसमें हवाई घटक भी शामिल होगा। इसमें एक उच्च गतिशीलता वाला टोही वाहन और भारत का पहला स्वदेश निर्मित बख्तरबंद हल्का विशेष वाहन है।

गणतंत्र दिवस के अवसर पर देश विरोधी तत्वों की संभावित गतिविधि को लेकर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को मिली विशिष्ट जानकारी के मद्देनजर भारत-नेपाल सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी गई है। सशस्त्र सीमा बल की 42वीं वाहिनी के सेनानायक गंगा सिंह उदावत ने बताया कि ऐसी विशिष्ट सूचना मिली है कि 26 जनवरी को देश विरोधी तत्व कुछ हरकत कर सकते हैं। इसके मद्देनजर एसएसबी जवान सीमा से सटे सड़क, जंगल, पगडंडियों व जलीय क्षेत्र में चौबीसों घंटे सतर्कता बरत रहे हैं।

संपादन मंडल :

Patron - Dr. R. K. Patidar
Director, AIMS

Prof. Yashpal Vyas Ph. D.
Principal, AIMS

Asst. Prof. Priyanka Tiwari
Dept. of History, AIMS

Asst. Prof. Rani Sharma
Dept. of Computer Sc., AIMS

Asst. Prof. Neha Verma
Dept. of Botany, AIMS

Contributors:
Asst. Prof. Dipika Nikum
Dept. of Arts, AIMS

Asst. Prof. Deepak Prajapat
Dept. of Computer Sc., AIMS

Asst. Prof. Ravina Chouhan
Dept. of Zoology, AIMS

Asst. Prof. Yash Karma
Dept. of Physics, AIMS